बारिश दया की | By Mayank Gupta

गुज़ारिश ये सदा सांवरे तुमसे
मेरे दिल ने कहा सांवरे तुमसे

मेरी चाहतों की हो तस्वीर तुम ही
दिल की उम्मीदें जागने लगी
मिला प्यार तेरा ऐसा लगा श्याम
किस्मत ये मेरी संवरने लगी
तू रहना मेरा श्याम बाँके सदा
ये रिश्ता मुझसे बाबा हर जनम में यूँही निभाना
तुम अपनी दया की बारिश मुझपे यूँ ही बरसाना
मेरे जीवन को अपनी खुशबू से तुम मेहकना
तुम अपनी दया की बारिश मुझपे यूँ ही बरसाना

तेरी ज़रूरत है मुझको हमेशा
बिन तेरे कुछ भी नहीं मेरा वजूद है
ये साँसें तुम्ही से मेरी चल रही हैं
हर धड़कनो में मेरी तू मौजूद है
ना होना कभी श्याम मुझसे खफा
ये रिश्ता मुझसे बाबा हर जनम में यूँही निभाना
तुम अपनी दया की बारिश मुझपे यूँ ही बरसाना
मेरे जीवन को अपनी खुशबू से तुम मेहकना
तुम अपनी दया की बारिश मुझपे यूँ ही बरसाना

मैं जब भी कभी भी घिरा मुश्किलों में
फिकरमंद मेरी खातिर हुआ श्याम तू ही
दी आवाज़ जब भी तुझे मेरे दिल ने
तो लीले पे होके हाज़िर हुआ श्याम तू है
मुझे भा गयी श्याम तेरी अदा
ये रिश्ता मुझसे बाबा हर जनम में यूँही निभाना
तुम अपनी दया की बारिश मुझपे यूँ ही बरसाना
मेरे जीवन को अपनी खुशबू से तुम मेहकना
तुम अपनी दया की बारिश मुझपे यूँ ही बरसाना

मंज़िल मेरी तू मेरा रास्ता है
मेरी ज़िन्दगी का श्याम तू हमसफ़र है
तू पकड़े कलाई रहे संग मेरे
कदमो के पीछे तेरे मेरी डगर है
कुंदन कहे तू मेरा मैं तेरा
ये रिश्ता मुझसे बाबा हर जनम में यूँही निभाना
तुम अपनी दया की बारिश मुझपे यूँ ही बरसाना
मेरे जीवन को अपनी खुशबू से तुम मेहकना
तुम अपनी दया की बारिश मुझपे यूँ ही बरसाना
मेरी चाहतों की हो.....